लक्ष्य अंत्योदय प्रण अंत्योदय पथ अंत्योदय

गरीब कल्याण वर्ष

अतुल्य ! भारत

श्री लाटू देवता धाम
नागराज हैं जहां विराजमान

श्री लाटू देवता धाम (वाण)

के कपाट

दिनांक 10 मई, 2017 को खोले जाने के अवसर पर

उपस्थित श्री सतपाल महाराज, माननीय पर्यटन मंत्री, उत्तराखण्ड

आप सभी का स्वागत करते हैं।

चमोली ज़िले में स्थित श्री लाटू देवता धाम की धार्मिक मान्यताएं

- ऐसी मान्यता है कि मंदिर के अंदर नागराज साक्षात रूप में विराजमान हैं।
- ऐसी भी मान्यता है कि श्री लाटू देवता उत्तराखण्ड की आराध्या नंदा देवी के भाई हैं।
- मंदिर के कपाट साल में एक बार वैशाख पूर्णिमा के दिन खुलते हैं।
- पुजारी भी आँख, नाक और मुँह पर पट्टी बांध कर करते हैं पूजा।
- श्रद्धालु मंदिर परिसर से 75 फीट दूर से मांगते हैं मन्नतें।
- कपाट खुलने के अवसर पर विष्णु सहस्त्रनाम और भगवती चंडिका पाठ का आयोजन।

राज्य सरकार द्वारा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किये जाने वाले विशेष प्रयास

- राज्य के मां भगवती, भगवान शिव, भगवान विष्णु, नागराज देवता व गोलू देवता स्थलों को धाम के रूप में विकसित करने का प्रयास।
- विभिन्न शिखरों पर स्थित देवी–देवताओं के स्थानों को सुगम यातायात के साधन जैसे फ्यूनिकुलर रेलवे (Funicular Railway) अथवा रोप–वे (Ropeway) के माध्यम से जोड़ने का प्रयास।
- राज्य सरकार द्वारा साहसिक, स्वास्थ्य, धार्मिक, योगा एवं वेलनेस तथा पाक कला पर आधारित पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने का प्रयास।

explore outing

"Explore Outing" Mobile App

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद, पं. दीनदयाल उपाध्याय पर्यटन भवन
ओएनजीसी हेलीपेड के निकट, गढ़ी कैंट, देहरादून–248001 (भारत)
फोन: # +91 135 2559898/ 2559987
www.uttarakhandtourism.gov.in, www.gmvnl.in, www.kmvn.gov.in

उत्तराखण्ड
सचमुच स्वर्ग

गंगा की शुद्धता, हमारी जिम्मेदारी | गंगा बचाएं, जल बचाएं, जीवन बचाएं